ज़ालिम जाबिर और बद-अख्लाक को सलामो इकराम करना

हज़रत मुफ्ती अहमद खानपुरी दब.

महमुदुल मवाइज़ उर्दु से रिवायत का खुलासा लिप्यान्तर किया गया है.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

किसी आदमी का इकराम और उसकी इज्ज़त उसकी शरारत और बुराई से बचने के लिये की जाये जैसे एक शरकस आदमी है आप उसको सलाम नही करेंगे तो कुछ न कुछ नुकसान पोहचने का खौफ है ये चीझ आम हो गई है शरीफ लोग अपना मुंह छुपा कर अपने घरों मे बेठे हुवे है और बदमाश किसम के लोग खुल्लम खुल्ला गुम रहे है और लोग उन्ही को सलाम कर रहे है इसलीये के ये जान्ते है के अगर उसको सलाम नही करेंगे तो हमारे उपर आफत आयेगी.

एक आदमी है जिसमे कोई खूबी नही है लेकिन लोग उसके बारे मे ये सोचते है के अगर हम उसके साथ इज्ज़त और ऍहतेराम का मामला नही करेंगे तो वो हम को नुकसान

पोहचायेगा उसकी तरफ से खतरा है के वो किसी परेशानी मे डाल दे किसी वबाल मे मुब्तेला करदे तो उसकी तरफ से जो ये खतरात लाहिक है उसका मिजाज़ ऐसा है लोग जान्ते है के बडा खतरनाक किसम का आदमी है और अगर उसको हम सलाम नही करेंगे उसकी इज्ज़त हम नही करेंगे उसका अदब और ऍहतेराम नही करेंगे तो पता नही वो हमारे साथ किया मामला कर डाले हमारा जिना दोभर हो जाये हमारे लिये मुश्कीलात पैदा हो जाये तो उसके उन जराइम और हरकतो की वजह से जो अन्देशा है.

अब अच्छे अच्छे लोग जब वो सामने आता है तो उसको सलाम किया जा रहा है वो जान्ता है के उसमे कोई ऐसी बात नही है के जिस्की वजह से उसके साथ ऐसा बेहतरीन इज्ज़त और ऍहतेराम वाला सलाम किया जाये वैसे सलाम तो हर एक को करना है लेकिन इज्ज़त और ऍहतेराम वाला सलाम जो है वो उसका हकदार नही, और इज्ज़त और ऍहतेराम का मामला वो इसलीये कर रहा है के वो जानता

है के अगर मे उसके साथ ऐसा मामला नही करूंगा तो पता नही मेरे साथ कैसा बुरा सुलूक करेगा और कैसी मुसीबत मे डाल देगा.

रसूलुल्लाहﷺ फरमाते है के आदमी का इकराम और इज्ज़त की जाये उसके शर और बुराई के डर से नही, यानी लोग किसी आदमी मे कोई खूबी है कोई कमाल है कोई अच्छी बात पाई जाती है तो उसकी वजह से लोग उसके साथ इज्ज़त और ऍहतेराम का मामला करते है किसी को अल्लाह ने इल्म दे रखा है सलाह और तकवा दे रखा है बुजरूगी से वो मालामाल है और कोई अच्छा वसफ उसके अन्दर मौजूद है तो उसकी उन खूबीयो की वजह से लोग उसकी इज्ज़त और ऍहतेराम करते है और करना भी चाहिये वो अपने कमालात की वजह से और अपनी उन खूबीयो की वजह से उस बात का हकदार है के उसके साथ इज्ज़त और ऍहतेराम का मामला किया जाये.